[श्री चन्द्रशेखर सिंह]

अनाचार और दुराचार के खिलाफ़ वहां एक जेहाद-सा छिड गया है। आजमगढ़ी और गैर आजमगढ़ी की तिफ़रक करके वहां के वाइस चासलर ने आजमगढ़ी लडको को पिटवाया, जिसके कारण लडकों के सिर टूटे, पैर टूटे और हाथ टूटे। स्थिति बहुत भयकर बनती चली जा रही है। अलीगढ से पूर्व के जो विद्यार्थी है उन में से 28 को निष्कासन कर दिया गया है और यह निष्कासन बिना अनुशासन समिति की सिफारिश के किया गया है। यह हालत वहा बनती चली जा रही है। आज विश्वविद्यालय दो गुटो मे पूरा का पूरा विभक्त हो चुका है। लखनऊ, आजमगढ़, वाराणसी, गोरखपुर, बस्ती यह सब तो आजमगढ़िया इलाका है, जो बिहार के बोर्डर से सटा हुआ है, यहा के लोग आजमगढी इलाके के हैं और उनके साथ वहा का वाइस चासलर सौतेला व्यवहार कर रहा है। इस तरह के व्यवहार के चलते वहा के विद्यार्थियो के लिए वहा रहना दुभर हो गया है। अस्त व्यस्त, त्रस्त, घोर आपदा ग्रस्त और उपद्रवग्रहस्त, ऐसी स्थिति मे वहा वाइस चासलर के रहते बनती चली जा रही है। स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। वहा विद्यार्थियो की माग है कि वाइस चासलर को तुरन्त हटाया जाए। मैं चाहता हू कि सरकार इस ओर ध्यान दे और तत्काल कोई प्रभावकारी कार्य करे।

(iv) LIKELIHOOD OF LOCUST INVASION

श्री नाथू सिंह (दौसा) नियम 377 के तहत मैं इस मामले को उठा रहा हू। विश्व खाद्य एव कृषि सगठन के अनुसार अफ्रीका, अरब देशो और भारतीय उपमहाद्वीप मे भारी टिड्डी दलो के हमले की आशंका उत्पन्न हो गई है। पता चला है कि अरबो की सख्या में टिड्डियो के दल अफ्रीकी देशो मे प्रविष्ट हो रहे हैं। टिड्डियों की सख्या एक किलोमीटर मे चालीस हजार लाख से ले क आठ हजार लाख तक होती है। 1958 मे टिड्डियों के इस दलों ने हमारे यहां 1.67 लाख टन अनाज नष्ट कर दिया था।

स्वतन्त्रता के बाद चीन और पाकिस्तान ने ही हमारे देश पर हमला नही किया कई बार इन टिड्डी दलो ने भी किया जिससे लाखो टन अनाज की क्षति हुई। इसके बारे मे मैं सरकार को सतर्क करना चाहता हूं, मत्री महोदय को सतर्क करना चाहता हूं और चाहता हू कि वह ऐसी व्यवस्था करे ताकि ये टिड्डी दल हमारे देश की सीमाओ मे प्रविष्ट न हो सके और उनके द्वारा नष्ट होने वाले अनाज को बचाया जा सके। यदि ऐसा नही किया गया तो देश को ज भारी क्षति होग उससे बचा नही जा सकेगा।

(v) SERIOUS SITUATION IN PATNA

श्री मनोहर लाल (कानपुर) 377 के अधीन मैं आपका तथा इस माननीय सदन का ध्यान दिलाते हुए पटना मे जो विस्फोटक स्थिति पैदा होती जा रही है उसकी ओर ध्यान खीचना चाहता हू। कांग्रेस ने शुरू से ही डिवाइड एड रूल की नीति का अवलम्बन किया था। इस नीति का अवलम्बन करने मे उसने 30 साल तक जरा भी सकोच नही किया। गद्दी से हटने के बाद भी वह खुलेआम इसी नीति पर चल रही है। आपने जैसा अखबारो मे देखा होगा कि श्री जयप्रकाश नारायण के अमृत महोत्सव पर भी जातिवाद का नारा लगाया गया और कुछ अशोभनीय घटनाएं की गई। श्री जगजीवन राम के साथ वहा के मुख्य मत्री श्री कर्पूरी ठाकुर के साथ भी इसी तरह का अभद्र व्यवहार किया गया है। अराजक तत्वो के साथ इन लोगो ने मिल कर इस तरह की घटनाए वहां पर कराई हैं। काका कालेलकर की अध्यक्षता मे बने कमीशन ने अपनी रिपोर्ट दी जिसमे बैकवर्ड क्लासिस के लोगो के लिए तरह तरह की सुविधाए देने की सिफारिश की गई थी। लेकिन आज तक हमारी कांग्रेस की सरकार ने जब तक वह सत्ता मे रही इस रिपोर्ट को कार्यरूप मे परिणत नही किया। आज जब जनता पार्टी की सरकार